



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 308]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 30, 1984/आषाढ़ 9, 1906

No. 308]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 30, 1984/ASADHA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 जून, 1984

अवधि

कां०आ० 479 (अ)/18चक/18कक/आई०डी०आर०ए०/84--केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग के आदेश सं० कां०आ० 613 (अ)/18चक/18कक/आई०डी०आर०ए०/76, दिनांक 15 सितम्बर, 1976 द्वारा इण्डस्ट्रियल रिकन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता (जिसे इसमें इसके पश्चात प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मैसर्स बंगाल पाटरीज लिमिटेड कलकत्ता के स्वामित्व वाले 45, टंग्रा रोड, कलकत्ता और 3, पंगलाडांगा रोड, कलकत्ता स्थित औद्योगिक उपक्रमों के सम्पूर्ण प्रबंध को 15 सितम्बर, 1976 से पांच साल की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां०आ० 697

(अ)/18चक/18कक/आई०डी०आर०ए०/81, तारीख 14 सितम्बर, 1981 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रमों का एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रबंध करते रहने के लिए प्राधिकृत किया था,

और केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां०आ० 665 (अ)/18चक/18कक/आई०डी०आर०ए०/82, तारीख 14 सितम्बर, 1982 कां० आ० 174 (अ)/18चक/18कक/आई०डी० आर०ए०/83, तारीख 14 मार्च, 1983, कां० आ० 660 (अ)/18चक/18कक/आई०डी०आर०ए०/83 दिनांक 14 सितम्बर, 1983 तथा कां०आ० 162 (अ) 18चक/18कक/आई०डी०आर०ए०/84, दिनांक 14 मार्च, 1984 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त दो औद्योगिक उपक्रमों का प्रबंध 30 जून, 1984 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए करते रहने के लिए प्राधिकृत किया था;

और केन्द्रीय सरकार ने, यह राय होने पर कि सर्व साधारण के हित में यह व समीचीन था कि प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रमों का प्रबंध करना जारी रखें, उद्योग

(विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उप-धारा (2) के परन्तुक के अधीन एक आवेदन कलकत्ता उच्च न्यायालय को दिया था जिसमें यह प्रार्थना की गई थी कि ऐसा प्रबंध तारीख 31 दिसम्बर, 1984 तक को और अवधि के लिए जारी रखा जाए।

और उक्त उच्च न्यायालय ने अपने, तारीख 28 जून, 1984 के आदेशानुसार प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त दो औद्योगिक उपक्रमों का प्रबंध तारीख 31 दिसम्बर, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है की और अवधि तक जारी रखने के लिए अनुज्ञान कर दिया था।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18क के साथ पठित धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत को निर्देश देती है, कि वह 31 दिसम्बर, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए उक्त औद्योगिक उपक्रमों का प्रबंध करना जारी रखें।

[फा० सं० 2(19)/75-सी०यू०एस०]

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th June, 1984

### ORDER

S.O. 479(E)|18FA|18AA|IDRA|84.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 613(E)|18FA|18AA|IDRA|76, dated the 15th September, 1976 the Central Government had authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the two industrial undertakings at 45, Tangra Road, Calcutta, and at 3, Pagladanga Road, Calcutta, owned by Messrs Bengal Potteries Limited, Calcutta, for a period of five years from the 15th September, 1976;

And, whereas, by the order of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 697(E)|18FA|18AA|IDRA|81, dated the 14th September, 1981 the Central Government authorised the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period of one year;

And, whereas, by the order of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 665(E)|18FA|18AA|IDRA|82 dated 14-9-1982, S.O. 174(E)|18FA|18AA|IDRA|83 dated the 14-3-1983, S.O. 660(E)|18FA|18AA|IDRA|83 dated 14th September, 1983 and S.O. 162(E)|18FA|18AA|IDRA|

84 dated the 14th March, 1984, the Central Government authorised the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period upto 30th June, 1984;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it was expedient in the interests of the general public that the authorised person should continue to manage the said Industrial Undertakings, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for the continuance of such management for a further period upto and inclusive of 31st December, 1984;

And, whereas, the said High Court by its Order dated the 28th June, 1984 permitted the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period upto and inclusive of 31st December, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA read with section 18AA of the said Act, the Central Government hereby directs the authorised persons to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984.

[File No. 2(19)|75-CUS]

### आदेश

का०आ० 480 (अ)/18वख/आई०डी०आर०ए०/84:-- केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (1) के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 39 (अ)/18वख/उ०वि०आ०/77, तारीख 22 जनवरी, 1977 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) यह घोषणा की थी कि:--

(क) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) इस अनुकूलों सहित की उक्त अधिनियम की धारा 9-क, 5-क, 5(ख) और धारा 33-ग का लोप किया जाएगा, मैसेस बंगाल पाटरीज लिमिटेड कलकत्ता के स्वामित्वाधीन दो औद्योगिक उपक्रमों जो कि 45, टंगरा रोड कलकत्ता, और 3, पगलाडंगा रोड, कलकत्ता में स्थित हैं, को लागू होगा, और

(ख) राजपत्र में उक्त आदेश के प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी-ऐसी संविदाओं संपत्ति के हस्तांतरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का प्रवर्तन (उनसे भिन्न जिनका संबंध बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से है) जिनके उक्त औद्योगिक

उपक्रम पक्षकार हैं, या ऐसे औद्योगिक उपक्रमों की स्वामी कम्पनी पक्षकार है, या जो यथा-स्थिति उन औद्योगिक उपक्रमों या कम्पनी को लागू होते हों, और उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन प्राप्त या उद्भूत सभी या कोई अधिकार विरोधाधिकार बाधताएं और दायित्व निरन्तरित रहेगा,

और उक्त आदेश की अवधि सत्य-सत्य पर और 30 जून, 1984 तक के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 31 दिसम्बर, 1984 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी जानी चाहिए,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-खख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अवधि 31 दिसम्बर, 1984 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा०सं० 2 (19)/75-सी०यू०एस]  
पी० मुरारी, अपर सचिव

#### ORDER

S.O. 480(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 39(E)|18FB|IDRA|77, dated the 22nd January, 1977 (hereinafter referred to as the said order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clauses (a) & (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that :—

- (a) the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), shall apply to the two industrial undertakings at 45 Tangra Road,

Calcutta and 3 Pagladanga Road, Calcutta owned by M/s. Bengal Potteries Limited, Calcutta with the adaptation that section 9A, Chapters, VA and VB and section 33C of the said Act shall be omitted, and

- (b) the operation of all contracts, assurance of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of the said order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions), to which the said industrial undertakings are parties, or the company owing such industrial undertakings, is a party or which may be applicable to the industrial undertakings of the company, as the case may be and all or any of the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended;

And, whereas, the duration of the said Order was extended from time to time upto and inclusive of the 30th June, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said order should be extended for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) and (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 31st December, 1984.

[F. No. 2(19)|75-CUS.]  
P. MURARI, Addl. Secy.

